

খাদ্যসিনঃ। ইয়গাঠাখানাধরকিত্বাধাদিনঃ। অণ্ডাশিত্তা সাল্পিত্ত জিত্ত ইত্যাদিঃ। তাইসাত্ত্বিকগণনা জম্বাক সমাদঃ। নানা বিধিগিহাদকককর্ষনাভঃ। সন্তাচনিয়া গোনাজমা-কামদেহঃ। মহাঃপাঠাইন দেহক সমাদঃ। বজ বিষ্ণুধর্মকণ্ড  
শ্রীমদ্ভিমাফঃ। সোমাদেহ কামদেহা প্রক শর সিনঃ। যথা শ্রীমদ্ভিমাফঃ ইত্যাদি গোনঃ। কহিনক নিয়াতাকু-খনিগাচনঃ। কর্ষনক-খাপোন সং-প্রামাণ্যসমঃ। সন্তাচ গামবাদোহ-ককগমনঃ। হংসিক-বাক্ত গোকলে চিত্তা-নকায়নঃ।  
সন্তাচ স-প্রামাণ্যগণনা-ইত্যাদিঃ। সোমাদেহ কামদেহা-ইত্যাদিঃ। সন্তাচ স-প্রামাণ্যগণনা-ইত্যাদিঃ। সোমাদেহ কামদেহা-ইত্যাদিঃ। সন্তাচ স-প্রামাণ্যগণনা-ইত্যাদিঃ। সোমাদেহ কামদেহা-ইত্যাদিঃ। সন্তাচ স-প্রামাণ্যগণনা-ইত্যাদিঃ।

সন্তাচ স-প্রামাণ্যগণনা-ইত্যাদিঃ। সোমাদেহ কামদেহা-ইত্যাদিঃ। সন্তাচ স-প্রামাণ্যগণনা-ইত্যাদিঃ। সোমাদেহ কামদেহা-ইত্যাদিঃ। সন্তাচ স-প্রামাণ্যগণনা-ইত্যাদিঃ। সোমাদেহ কামদেহা-ইত্যাদিঃ। সন্তাচ স-প্রামাণ্যগণনা-ইত্যাদিঃ। সোমাদেহ কামদেহা-ইত্যাদিঃ। সন্তাচ স-প্রামাণ্যগণনা-ইত্যাদিঃ। সোমাদেহ কামদেহা-ইত্যাদিঃ। সন্তাচ স-প্রামাণ্যগণনা-ইত্যাদিঃ।

সন্তাচ স-প্রামাণ্যগণনা-ইত্যাদিঃ। সোমাদেহ কামদেহা-ইত্যাদিঃ। সন্তাচ স-প্রামাণ্যগণনা-ইত্যাদিঃ। সোমাদেহ কামদেহা-ইত্যাদিঃ। সন্তাচ স-প্রামাণ্যগণনা-ইত্যাদিঃ। সোমাদেহ কামদেহা-ইত্যাদিঃ। সন্তাচ স-প্রামাণ্যগণনা-ইত্যাদিঃ। সোমাদেহ কামদেহা-ইত্যাদিঃ। সন্তাচ স-প্রামাণ্যগণনা-ইত্যাদিঃ। সোমাদেহ কামদেহা-ইত্যাদিঃ।

সন্তাচ স-প্রামাণ্যগণনা-ইত্যাদিঃ। সোমাদেহ কামদেহা-ইত্যাদিঃ। সন্তাচ স-প্রামাণ্যগণনা-ইত্যাদিঃ। সোমাদেহ কামদেহা-ইত্যাদিঃ। সন্তাচ স-প্রামাণ্যগণনা-ইত্যাদিঃ। সোমাদেহ কামদেহা-ইত্যাদিঃ। সন্তাচ স-প্রামাণ্যগণনা-ইত্যাদিঃ। সোমাদেহ কামদেহা-ইত্যাদিঃ। সন্তাচ স-প্রামাণ্যগণনা-ইত্যাদিঃ। সোমাদেহ কামদেহা-ইত্যাদিঃ।



...  
 ...  
 ...  
 ...  
 ...

...  
 ...  
 ...  
 ...

...  
 ...  
 ...  
 ...

...  
 ...  
 ...  
 ...







नारीया निस्रासः ॥ शशादेभिनाविशानकरुणीहासः ॥ कृष्णाम् चारियादिनादेस्त्रिनन्दनः ॥ त्रिमथादिहवियापुष्पेसाधिपनः ॥ उरुवक्षिण्वरवासाहव दिवावनः ॥ हाससकरुणरहो नविन्दुचनः ॥ ध्याणावबसिहजापुष्पेप्रतिहिरिहदिः ॥ हाहाव सकृत्तोहा विवा विउ पाविः ॥  
 कृष्णपाया प्रार्थविन गोना विसरादः ॥ हाहाहाव सुवदुष्टुनि सतासदः ॥ विसादितावियावरे वरुक्तिनन्दनः ॥ इरवहासियावरे कृष्णनमानः ॥ श्रुतिविक्कित्तविरिहावराहाः ॥ पवस्नक तावुरि विरवावहायः ॥ लक्ष्मिप्रतिहिरवाजाहविय साक्षातः ॥ प्राश्नविन इरुति  
 राधिनुलनमतः ॥ ज्ञानवता धागायुकि मर्वुसरादिः ॥ प्राश्नविनमान बुद्धि प्रमत्त विनिः ॥ इत्युत्तावदुष्टुनि समुद्रहृष्ट प्रमत्त विनि गोहृष्ट विप्रम वहायः ॥ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ ॥ गाथावकाशः ॥ सिद्धपाद महा साधुशुभ वक्ष्यः ॥ विरुत्प्रवानवलाङ्कला  
 वनिर्भुवः ॥ कश्चित्तिसर्वनेमन गोवनक्षत्रविः ॥ अमान ध्यासिया विन साधुमहावदिः ॥ सध्यामहाविया विरु पनायतमानः ॥ सिरवाका विन विरुत्प्रमत्तः ॥ प्रतिज्ञा हरिण साधुसता विप्रमानः ॥ सख्य प्रथिवि श्रुतिविनिमवाधरनः ॥ माकिप्रवहजनप्रथि

विमृष्टानः ॥ प्रतिज्ञा हरिया विरुवहिनतमानः ॥ सिरवाका विन विरुत्प्रमत्तः ॥ येकातु बुकृष्ट कविहर थावाधनः  
 शर्वविश्व यंक् सिद्ध विथायः ॥ मोवचाप्ति ह्येकाजुन बाजिन समरः ॥ शिञ्जुरन विनिया धाप्रय लेखयेः ॥ इरुक्कमा  
 नरवाविशग विप्रमानः ॥ धागादिना मेववम देहो सप्रमृष्टानः ॥ कथं किमिमगमय दिन सचरुितः ॥ सोडावामेम  
 विनया महाजनः ॥ गज्जु वारिक विनारुष्ट दिनहावः ॥ वनउपवनताप्ति प्रागरुप्रुष्टावः ॥ गोसाणा धमसानामः  
 सनः ॥ दसदिश धावसा दिन मारुद्वसनः ॥ देहिया प्रथम विरुत्प्रमत्त उनयः ॥ साङ्गिया वागिननाह वारुक्तिहउ

प्रुष्पेहयाकृद्विह धावना सिनाचः ॥ धान कृिष्ठ इया साधु मारुत्प्रमत्तः ॥ हावगति कथं माय देहमाहस्रः ॥ ग  
 ज्ञानाय गोमाव साक्षातः ॥ धनक्रिष्ठ गज्जुवमाह उरुद्विः ॥ उरुहया गोमृपतिदिना सेहिरुवः ॥ मयनाम हा  
 हावम नाराव निरुक्तिः ॥ धारुकाव मयवम धनक्रिष्ठगतिः ॥ उरुगत उरुया क्वाय साधुशुभ मतिः ॥ रुडिन मयुवाप  
 विरुवादावः ॥ धाप्रवदि सनकरु योगाह पायावः ॥ कर्णपात विरुत्प्रमत्त गज्जुन इरुववः ॥ प्राञ्जुरावराह विन विरुव  
 यः ॥ योरान वुनिया विरु महावम उरुः ॥ महाजन गोतिगन नेन सार्कहदिः ॥ साङ्गिधमृवगुदयेवैह साननः

साङ्गुताव विरुवादिमहाहृषणः ॥ धावजा विरुपर महाविरुवः ॥ दिरुधधुद्विर्बवम उरुद्वि उरुद्विः ॥ चनिवहृत्प विरु साङ्गिया सवसानः ॥ नानाराष्टे धमगज्जु इरुशरानाः ॥ राकिन साधु सहाउमन सधामः ॥ नुडिनन विरु मयुगावसमानः ॥ रवक उरुहदीनाशा  
 उरुतिञ्जुसः ॥ माविन साधु सिरेहृष्टेज्जुमावः ॥ तिनह सप्रमया सर्वादानावः ॥ श्रुतारुसान लेन विरुव विनायः ॥ विरुनि पृष्ठीधवाने साधु महामतिः ॥ दसरान मावि विरुवामेव साधुमिः ॥ विरुिन सख्य स्रु साधु हानरुवः ॥ विरुिनि राव धमार्कमवप्रुष्टः ॥  
 प्रुक्कणे माह विरु सध्याम विरुवः ॥ धनक्रिष्ठ कथं देहा नक्रिष्ठ नापावः ॥ माया मय कथमान देहिके नादेहियः ॥ हृक्कणे क्वायाउ माह नक्रिष्ठ नानक्रिः ॥ येननने क्वाय सुनि धाहास मणुनः ॥ येननने पवनसे पवकृ सिमरः ॥ अयाज्या उरुतिवम प्रथिः  
 सेहिरुवः ॥ क्वायासाधु क्वायासेह देहिके नापावः ॥ अतासनापति अज्जुनप्रधानः ॥ वयउ उरुह दिया जाउ ठोथरानः ॥ विरुिमा साधु स्रुविन स्रुवः ॥ उरुवकाव कर्णकृ साधुपुनरुः ॥ येह्यारु विरुयान क्वावदिसनः ॥ उरुद्वि विरुगान नाउरुद्विः































कृष्णस्य सनोना शनिगनमिनिः॥ दक्षिणासनामनाकेष्टीना सकनः॥ शनिश्चर धार्मिकेतिरुपति मञ्जनः॥ वामरश्मि रश्मिद्वे उचिता सशरः॥ हृष्टपर नामार्थेन चवनशानः॥ पाण्डुधरं दिव्यार्धेन चवनवदोनेः॥ वृणदिपदिमा प्राङ् शगकिचानः॥ वासान रसाया  
इति प्रह्वन ह्वानः॥ ह्विह्वनापिना ह्विध्व रिनय रचनः॥ वामिसववग्रहैश्च सकन जिनः॥ महाज्ञाने सकन जिन ह्वसनः॥ शान्ति दन ह्वसन दक्षप्रथः॥ शान्ते हनवाठे सब धार्मिन सकनदः॥ वामउप धार्मि सब धान् रुद्विरनिः॥ सुज्ञान मनश्च देहि धान्  
वेदिशक्तिः॥ अतिमात उद्वुक्ति नाहि साक्षरः॥ यतिहिन धार्मिसर शान् धर आनः॥ जनमय त्रिध धार धाउ सिनामयः॥ येसर पविशकव किकु सिधनयः॥ शान्धुद्वेगन मय कवैपविशानः॥ देवतिमकनवह महाउ समानः॥ यति शर्मसस  
सक धासास परनः॥ जनउमि राक्ष मन शिह विरुपनः॥ यसव सेहीन नह प्ररिक्त सकनकः॥ कुरुतद रुद्रिकरि पाण धाणनाकः॥ उक्ते मरुत सेवाहृदि मयकः॥ वामेध धरिध धः यसेहि मरुत हः॥ शान् धार्मि रुद्रिकरि मरुत हः॥ राठ पित्रा सुशान्ति

वाग्दामवहः॥ प्रमणामकम् धाणानकविमानः॥ सकउरु कुरुकुरा गकुरु समानः॥ शेषक रचन शनिम  
रानः॥ सिधुत उरुहृदि ह्वे सिधयनिः॥ नाह सिधार्थे उरुहृदि येर्यानिः॥ धार्मि सब विमानिह जक माया  
कुरु कित पादिः॥ धाणाना धाणानशान् कवय सशरः॥ धाणान पाणानशरि कुरु धाणानाकः॥ येरुहृदि  
नाह मय सारः॥ नाह पाणानशरु कविनाहः॥ मायाये मनश्च वसकुरु कित पाकः॥ सकुति कुरुताजुन पविश  
तामक किदय रदुष्पायोगमयः॥ रदुष्पाये शूत्राकत सकन विक्रयः॥ इनवदु काकुरु कुरु मय उरुपतिः॥ अहो नहरो

उरुज्ञानः॥ सकर सिधिरुध धार्मि पाकिप्रकुरुहामः॥ नमोनयो पाहिकु माख दामदुः॥ नामनयो ह्विद्वे महाज्ञानसकः॥ धाणान मायाउ श्रमि धांसाद धाणानाः॥ निगम विक्रु उमि धपाक मरिमाः॥ येसरुप उरण तोमानाहिसानः॥ या  
सु धाणक शान्ति विरिक्ति धाणानः॥ इनयाया ज्ञानश्रमि शिधुक्तिरुपकः॥ तामाक मायाये नाथ रुद्रिक सकनः॥ धार्मि चवनव ह्वि ह्वन ह्वसनः॥ लानिगन छिगण्ठा धार्मिनासनः॥ सकर त्रिध कुरुताजु श्रमि स्थानकः॥ विनिहृदि उरुहृदि प्ररिक्त  
धः मरुतः॥ ज्ञानमय अउरुमि ज्ञानसवादयः॥ तामाक कुरुताजु विधामा सकुतायः॥ येरुहृदि वचनरुनि महाशनिगनः॥ कुरुताजु विरिक्ति शान्नामयनः॥ उरु रश्मिद्वे वानश्रम पाण स्रकः॥ येरुहृदि मरिमा उरुहृदिना ह्विकः॥ नाह देहृदिना  
उरु येरुहृदि मरुतः॥ ज्ञानाजिज्ञा सिनारश्मिद्वे महासनः॥ प्रमरुक्ति रश्मिद्वे कुरुनामयनः॥ अहो नहरो ज्ज्ञा सिना धाया ह्वि ह्वानः॥ विहृदि माहिले नाह कुरु धाणदुः॥ यद्युतिध ज्ञानेन उरुगण्ठाजनः॥ उरुपति धनय शान् वाहि ह्वानवपः॥

शान्निगनः॥ निसरुदु ह्विद्वे इया मति धामः॥ छात्रा विम विरुहृदि कुरुयनिगनः॥ इनवदु उरुनाहि देविश्रिधुः  
ज्ञानः॥ महाज्ञाने सकर ह्वि अयाये स साकः॥ धाणाना धांसाद प्रउ कुरुविनाहृदिः॥ शान् माया विरुहृदिः॥  
रुद्रकण धारवधनामः॥ सकर जिन वेसहृदि सकन समानः॥ माण्डव निरुक्तिधृद नापकहृदः॥ यठपठ मरुत नह  
नहृदः॥ येरुहृदि स साकपाक पविशान सेठः॥ एक सप्रवाउरुमि कुरुविनाहृदः॥ येरुहृदि ह्वे उरु ह्वि उरुजिह्वः॥  
उमि ज्ञानाकुरु उरुजिः॥ सकन जनमयन सकन जिनः॥ सकन सयादि ज्ञान सकन नाहनः॥ इन जिन धार्मि स सकन









... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..

... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..

... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..

... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..





वरिष्ठनाथः॥ नानात् वाचस्पत्यु नरेशोऽप्युत्तः॥ अथर्ववेदविद्यायाश्च वाचस्पतिः॥ ऐरिक्तेषु गान्धर्व्याणां वाचस्पतेश्चैवः॥ हताश्रयः स्थापय विद्विभवापारः॥ पञ्चमः सैन्यं परिक्रमन्तः॥ येऽपि गान्धर्व्याणां वाचस्पतेश्चैवः॥ यवनानामसैन्यं प्रहसन्ति॥ येषु  
 नभसप्रेतः सहायः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ वाचस्पतेश्चैवः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥

द्विः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥

नापि विद्विभवापारः॥ पञ्चमः सैन्यं परिक्रमन्तः॥ येऽपि गान्धर्व्याणां वाचस्पतेश्चैवः॥ यवनानामसैन्यं प्रहसन्ति॥ येषु नभसप्रेतः सहायः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥

नैमिषेऽथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥ अथर्ववेदो वाचस्पतिः॥

१  
 २  
 ३

















धाईना द्विजदेवि विद्यमानः॥ अग्रं वल विधाद्विधाकारैदिः॥ नवन भाविनकात्र सिद्धिधयमात्रिः॥ कृतिनात्राक्षरान (द्वेर्देराके नवनः॥ यथातथासिधातार्त्ता ईनाउपासनः॥ हृदिन वान सत्र रान रिपयः॥ धन्या प्रामाहुरकि निर क्रिसिहयः॥ सु  
वानमनसा देविस्वसितः॥ धानत्र प्रविनउत्र उिसकप्रसिः॥ आर्क्षनकशयवस्तु दिठनाईधारः॥ केवनक विवतीदेविदेन नमशयः॥ उरसराधुयिठ कामहृष्य धागमनः॥ शनिना विवकविज्ज हृष्ययमानः॥ नेउलित राणश्राय विविमयानः॥ छनिना वि  
वपति हृष्य धागमनः॥ गाण धर्यवृण दिण दिना धागमनः॥ विविव धर्य दिना नाना धर्यनः॥ रणविवउपायन विविना गोचरः॥ धानत्र प्रविन वाना विविधयभारः॥ प्रकर हृदिना जिन दिव मशप्रतिः॥ उाहात धानिना विव उरिनउत्र विविः॥ कामहृष्य  
वसाइन वरु सिहासनः॥ प्रविना सवनसका विव विवानः॥ यउगण धाइन विववनगारः॥ जवनेनयथाप्रण विव नकप्रारः॥ हृष्य धागमन हृष्य हया शनिप्रकसनः॥ धासियाादेविन हृष्य धानत्र मशानः॥ योईसकविनि शय समउठ पतिः॥ इहम सहाइव

गुलायावपतिः॥ धामि सवपुत्राप्रय विवककात्ररः॥ सर्व समर्पनद्वेचन शानः॥ उरुहयावदेउउधामाहुर  
हान धाईनाहृया प्रस्वरहाइरः॥ उउगान हृष्य पदर उउचप्ररः॥ छनिनापारुति प्रर शनउठपतिः॥ प्रविना छ  
उपविगानः॥ छोदिना रशुठ किं स वि पविननः॥ हृष्य उउ मशयं विवम विमानः॥ मुविउनि वारु सर दिव पाठो  
सव्य सव्य उरुगोशान वसवः॥ गधमायु वरु वरुन वरुविठः॥ हृष्य उउ मशयि छोदिना रशुठः॥ योईमातः  
ना देवि वरु शानः॥ रवा विव पविगान प्रणय पारुतिः॥ ररुना हृवाइना उकादेविउठपतिः॥ पविनाः

२५

कः॥ कामिनिर पठिउठ इयगदाविकः॥ यविकेनेप्रमन हृष्य शान शानः॥ अउरुशयथाद्वे विववनमशानः॥ इव  
हादेवि हृदिना उरुतिः॥ इउउपदर विठ किदयुदुयः॥ धपकपगति उउ विव विवमशयः॥ मोनउठ वरुदेवि वि  
धारः॥ सउउउक मृदु रान धागमनः॥ दिव विवमशयि वरु शानः॥ दिव विवमशयि गान नयाउपमः॥  
छनिना छउउहासदनेः॥ इउपाथा निनादेवि वरु धागमनः॥ उरु शान जिनादेवि मउपउठपतिः॥ प्रनाम हृदि  
वाइला मश हृवाय ररुनाः॥ इवसव वरुहृया धर्गा धावावनाः॥ रूपादिपान विव रसन उसनः॥ प्रान मउउदि

विदिहृष्यः॥ नव पिश्व हृष्यमइरुहृष्यः॥ विविउशयन वनदियाउउमशुः॥ प्रणाय पारुति विव पठिपतिः॥ प्रनाम हृवाय विवि विवानपठिः॥ धासिवादेविना विवुथ दिवसिः॥ मउन धागमन वरुन धयभारः॥ प्रविनाकविनिदेवि  
देविउठपतिः॥ वरुमाउ हृष्यउठ इय मार पतिः॥ उदिमपारु विमोय पारुति सविकः॥ रवादेव मशहृष्य हृष्यमोववः॥ यविक मशि वरु उउपकनामः॥ किदयु गोविठ पदर वि अनिवानः॥ दिव पठि गान वरु वरुनः॥ मोनउठ  
हाउउरु प्रम धागमनः॥ इउ वरु वि विव विव रामवः॥ विविवाविक हृष्य गमन मउरुः॥ मयउरु शानदेवि वरु धागमनः॥ विवादेव मया धासि दिवदसनः॥ विव विव मयादेवि पवम वमनिः॥ छनि मरु पति नकि गमनिः॥ प्रनः  
विनिउठ रसन विनाजः॥ इउ वरु विव मउमरुहासः॥ उविउठ उउ वरु विव विव मयानाः॥ उउउठ विवि विव वरुमयानाः॥ श्यामहृष्य विव विव विव गिरासः॥ इवपविगान वरु उउउउउउः॥ विवुवन वरु मशु उउउउपतिः॥ वरु उउउ























